**DADI MAA**

**प्रश्न-1  दादी माँ पाठ की कहानी के लेखक का नाम लिखिए।**

उत्तर-  दादी माँ पाठ की कहानी लेखक शिवप्रसाद सिंह हैं।

**प्रश्न-2   गाँव के लड़के झागभरे जलाशयों में किस महीने में खेलतें हैं?**

उत्तर-  गाँव के लड़के झागभरे जलाशयों में क्वार के महीने में खेलतें हैं।

**प्रश्न-3 दादी माँ ज्वर का अनुमान कैसे लगाती थीं?**

उत्तर -  दादी माँ छू-छूकर ज्वर का अनुमान लगाती थीं।

**प्रश्न-4   दादी माँ कौन से जल से नहाकर आई थीं?**

उत्तर -  दादी माँ जलाशय के झागभरे जल से नहाकर आई थीं।

**प्रश्न-5   दादी माँ बीमार लेखक के लिए क्या ले कर आई थीं?**

उत्तर -  दादी माँ बीमार लेखक के लिए अदृश्य शक्तिधारी के चबूतरे की मिट्टी लाई थीं।

**प्रश्न-6   बरबस लेखक की आँखों के सामने किसी की धुँधली छाया नाच उठती है?**

उत्तर -  बरबस लेखक की आँखों के सामने दादी माँ की धुँधली छाया नाच उठती है।

**प्रश्न-7   'लड़के ब्रह्मा का रूप होते हैं।' दादी माँ के इस कथन का क्या तात्पर्य है?**

उत्तर -  लड़के ब्रह्मा का रूप होते हैं। इस कथन का तात्पर्य है कि वह अबोध होते हैं और उनका मन साफ़ होता है।

**प्रश्न-8   लेखक के मित्र उसका मज़ाक क्यों उड़ाते थे?**

उत्तर -  लेखक के मित्र उसका मज़ाक इसलिए उड़ाते थे क्योंकि ज़रा-सी कठिनाई पड़ते ही लेखक को गाँव, घर और परिवार की याद आने लगती थी।

**प्रश्न-9   लेखक झागभरे जलाशयों में खेलने का अधिक मज़ा क्यों नहीं ले पाया?**

उत्तर -  लेखक झागभरे जलाशयों में खेलने का अधिक मज़ा बीमार हो जाने के कारण नहीं ले पाया।

**प्रश्न-10   लेखक के मित्र लेखक को क्या कह कर उसका मज़ाक उड़ाते थे?**

उत्तर -  लेखक के मित्र लेखक को कमज़ोर और ज़रा-सी प्रतिकूलता से घबरानेवाला कहकर उसका मज़ाक उड़ाते थे।

**प्रश्न-11   लेखक को हलकी बीमारी क्यों अच्छी लगती थी?**

उत्तर -  लेखक को हलकी बीमारी इसलिए अच्छी लगती थी क्योंकि खाने के लिए दिनभर नींबू और साबू मिलता था।

**प्रश्न-12   दादी माँ का व्यवहार कैसा था?**

उत्तर -  दादी माँ बाहर से कठोर और अंदर से कोमल स्वभाव की थीं। वे स्नेह, ममता, और त्याग की मूर्ति थीं। वह हमेशा दूसरों की मदद करती थीं।

**प्रश्न-13   दादी माँ किस पर और क्यों बिगड़ रही थीं?**

उत्तर -  दादी माँ रामी की चाची पर बिगड़ रही थीं क्योंकि रामी की चाची ने जो कर्ज दादी माँ से लिए था उसका न तो वह सूद दे पा रही थी ना ही मूल।